Depreciation (मूल्यह्रास) – Definition, Nature and Concept

1️⃣ Definition (परिभाषा)

According to William Pickles:

“Depreciation is the permanent and continuing decrease in the quality, quantity or value of a fixed asset.”

सरल शब्दों में —

Depreciation वह प्रक्रिया है जिसमें किसी स्थायी संपत्ति (जैसे मशीन, भवन, फर्नीचर) का मूल्य समय के साथ उपयोग, घिसावट या पुराना होने के कारण कम होता है।

2️⃣ Concept of Depreciation (मूल्यह्रास की अवधारणा)

Depreciation का मुख्य विचार यह है कि:

जब कोई Fixed Asset (जैसे मशीन) खरीदी जाती है, तो उसका पूरा खर्च एक ही साल में नहीं दिखाया जाता।

उस संपत्ति का खर्च उसके उपयोगी जीवन (Useful Life) के वर्षों में बाँट दिया जाता है।

यह Matching Principle पर आधारित है, जिसे International Accounting Standards Board के लेखांकन सिद्धांतों में भी महत्व दिया गया है।

👉 उदाहरण:

यदि ₹1,00,000 की मशीन 10 साल चलेगी, तो हर साल ₹10,000 को Depreciation के रूप में खर्च माना जाएगा।

3️⃣ Nature of Depreciation (मूल्यह्रास की प्रकृति)

यह एक वास्तविक खर्च (Real Expense) है

नकद भुगतान हर साल नहीं होता, परंतु मूल्य में कमी वास्तविक होती है।

यह स्थायी संपत्तियों पर लागू होता है

केवल Fixed Assets पर, जैसे – भवन, मशीन, वाहन आदि।

समय और उपयोग से जुड़ा है

घिसावट (Wear & Tear), तकनीकी पुरानापन (Obsolescence) और समय के कारण होता है।

निरंतर प्रक्रिया (Continuous Process)

जब तक संपत्ति उपयोग में है, तब तक depreciation लगता रहेगा।

लाभ को सही दिखाने में मदद करता है

सही Profit जानने के लिए depreciation घटाना जरूरी है।

निष्कर्ष (Conclusion)

Depreciation एक लेखांकन प्रक्रिया है जिसके द्वारा स्थायी संपत्तियों की लागत को उनके उपयोगी जीवन में बाँटा जाता है, ताकि व्यवसाय का सही लाभ और वित्तीय स्थिति प्रदर्शित हो सके।